साहित्य-मण्डल

श्रीनाथद्वारा (राजस्थान)

राजस्थान प्रान्त का अग्रणी साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक प्रतिष्ठान

पूर्वोत्तर हिन्दी भाषा सेतु, शोध निर्देशक एवं वरिष्ठ साहित्यकार

डॉ. हरीशकुमारजी शर्मा

के सम्मानार्थ

अभिनन्दन पत्र

हिन्दी पुरोधा श्री भगवतीप्रसादजी देवपुरा

वरेण्य महानुभाव :

आपका जन्म दिनांक ०१ जुलाई १९७१ को बरेली उत्तरप्रदेश के गाँव-पराबहाउद्दीन- विशारतगंज में पिता श्री श्रीकृष्णजी शर्मा के यहाँ हुआ। एम. ए. (हिन्दी) एवं पी. एच. डी. उपाधि प्राप्त डॉ. शर्मा राजीव गाँधी विश्वविद्यालय रोनो हिल्स, अरुणाचल प्रदेश में प्रोफेसर हिन्दी विभाग एवं भाषा संकायाध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं।

पूर्वोत्तर हिन्दी भाषा सेतु :

विगत उन्नीस वर्षों से आप हिन्दीतर भाषी राज्य अरुणाचल प्रदेश में राष्ट्रभाषा हिन्दी उत्थान हेतु समर्पित हैं। राष्ट्रीय स्तर की पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से आपके पचास से अधिक शोध आलेख प्रकाशित हुए हैं तथा इतनी ही अन्य रचनाएं प्रकाशित हुई हैं।

शोध निर्देशक-साहित्यकार :

आपने लगभग पचास विभिन्न राष्ट्रीय-अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लिया है तथा सम्पर्क भाषा के रूप में अरुणाचल प्रदेश में हिन्दी : भूमिका एवं सम्भावनाओं विषय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की एक लघु शोध परियोजना को सम्पन्न किया है। शोध निर्देशक के रूप में लगभग एक दर्जन शोधार्थियों को निर्देशन प्रदान कर इनमें से दो को पी. एच. डी. तथा चार को एम. फिल्. की उपाधि प्राप्त हो चुकी है।

कथा साहित्य तथा मध्यकालीन काव्य विषय पर विशेषता प्राप्त आपकी अब तक पाँच कृतियाँ प्रकाशित हैं जिनमें से तुलसी साहित्य का आधुनिक सन्दर्भ तथा फनीश्वरनाथ रेणु के उपन्यासों में लोक संस्कृति मुख्य रूप से उल्लेखनीय हैं।

आज :

'हिन्दी लाओ-देश बचाओ' समारोह-२०१८ के अवसर पर विश्वप्रभु श्री श्रीनाथजी के आशीर्वाद तथा श्री मोतीलालजी राठी स्मृति सम्मान २०१८ एवं दो हजार एक सौ रुपये की राशि (प्रदाता श्री मोतीलाल राठी फाउण्डेशन, श्रीनाथद्वारा) सहित हिन्दी भाषा भूषण की सर्वोच्च मानद उपाधि से विभूषित कर संस्था आपको यह अभिनन्दन पत्र भेंटकर गौरवान्वित अनुभव करती है।

भारतीय साहित्य मधुमति, साहित्य अमृत।
साहित्य सेतु समन्वयक वीणा से झंकृत ।।
शोध समीक्षा कविता सरिता हुई प्रकाशित ।
व्यंग लघुकथा पूर्वोत्तर भाषा परिभाषित ।।
श्री हरीशजी अरुण प्रभा के शोध प्रणेता ।
अरुणागम सम्पर्क सेतु अधिगम्य प्रचेता ।।

हिन्दी लाओ-देश बचाओ समारोह
१४, १५, १६ सितम्बर, २०१८

अध्यक्ष
(नरहरि ठाकर)

प्रधानमंत्री
(श्यामप्रकाश देवपुरा)

Scanned by CamScanner